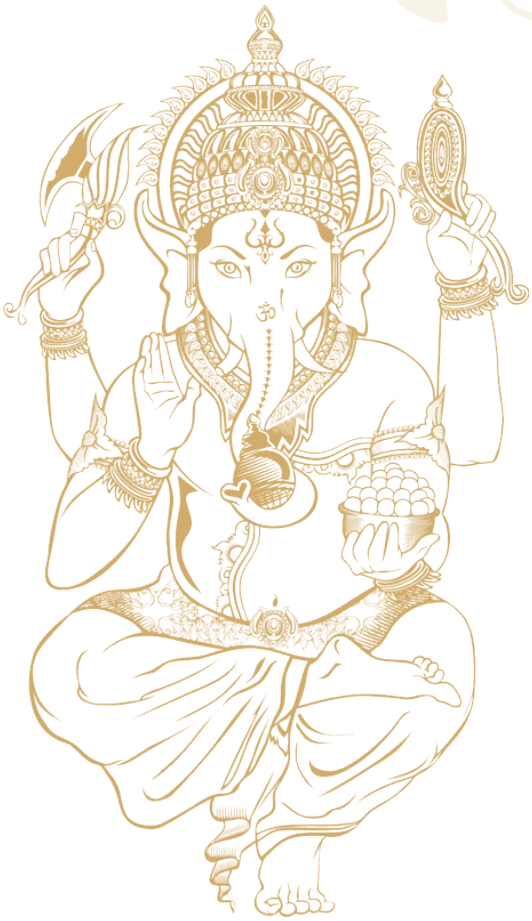

VISHAL

Ms. Choti

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119963601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119963601 Date: 31/10/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/09/1989	जन्म तिथि	10-11/11/1999
मंगलवार	दिन	बुध-गुरुवार
घंटे 06:32:00	जन्म समय	03:30:00 घंटे
घटी 02:06:36	जन्म समय(घटी)	53:31:43 घटी
India	देश	India
Daltonganj	स्थान	Aurangabad
24:02:00 उत्तर	अक्षांश	24:45:00 उत्तर
84:04:00 पूर्व	रेखांश	84:30:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:06:16	स्थानिक संस्कार	00:08:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:41:21	सूर्योदय	06:04:37
17:54:26	सूर्यास्त	17:07:05
23:42:58	चित्रपक्षीय अयनांश	23:51:03
कन्या	लग्न	कन्या
बुध	लग्न लग्नाधिपति	बुध
मेष	राशि	वृश्चिक
मंगल	राशि-स्वामी	मंगल
भरणी	नक्षत्र	ज्येष्ठा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	बुध
3	चरण	3
हर्षण	योग	अतिगण्ड
कौलव	करण	गर
ले-लेखपाल	जन्म नामाक्षर	यी-यीशा
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
क्षत्रिय	वर्ण	विप्र
चतुष्पाद	वश्य	कीटक
गज	योनि	मृग
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	आद्य
मृग	वर्ग	मृग

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 6वर्ष 8मा 18दि		13:07:12	कन्या	लग्न	कन्या	18:57:03	बुध 7वर्ष 2मा 15दि	
राहु		02:21:42	कन्या	सूर्य	तुला	24:12:24	शुक्र	
08/06/2019		22:11:17	मेष	चंद्र	वृश्चि	24:20:41	26/01/2014	
08/06/2037		05:55:04	कन्या	मंगल	धनु	24:28:56	26/01/2034	
राहु	18/02/2022	14:00:10	कन्या व	बुध व	वृश्चि	05:15:06	शुक्र	28/05/2017
गुरु	14/07/2024	14:39:37	मिथु	गुरु व	मेष	03:43:25	सूर्य	28/05/2018
शनि	21/05/2027	13:52:09	तुला	शुक्र	कन्या	08:05:09	चन्द्र	27/01/2020
बुध	07/12/2029	13:38:02	धनु	शनि व	मेष	19:29:56	मंगल	28/03/2021
केतु	26/12/2030	01:44:33	कुंभ व	राहु व	कर्क	13:07:36	राहु	27/03/2024
शुक्र	26/12/2033	01:44:33	सिंह व	केतु व	मक	13:07:36	गुरु	26/11/2026
सूर्य	19/11/2034	07:39:20	धनु	हर्ष	मक	19:09:35	शनि	26/01/2030
चन्द्र	20/05/2036	15:53:38	धनु व	नेप	मक	07:57:12	बुध	26/11/2032
मंगल	08/06/2037	19:34:08	तुला	प्लूटो	वृश्चि	15:38:48	केतु	26/01/2034

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:42:58 चित्रपक्षीय अयनांश 23:51:03

लग्न-चलित

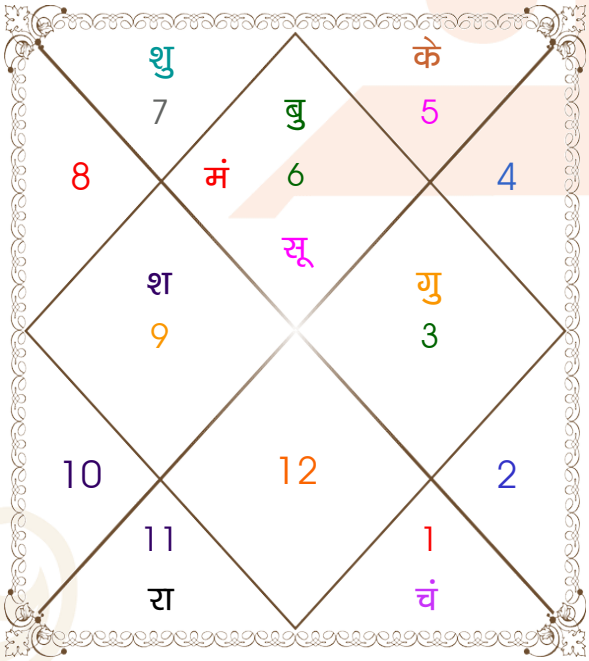

लग्न-चलित

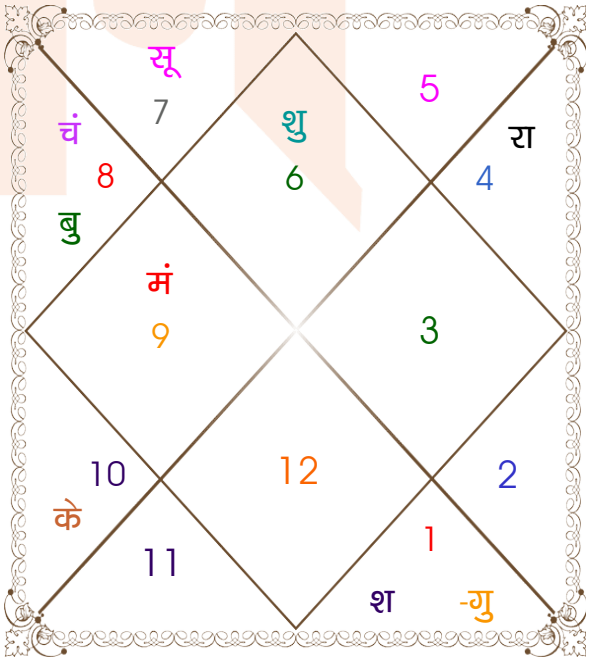

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	मृग	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.50		

कुल : **17.5 / 36**

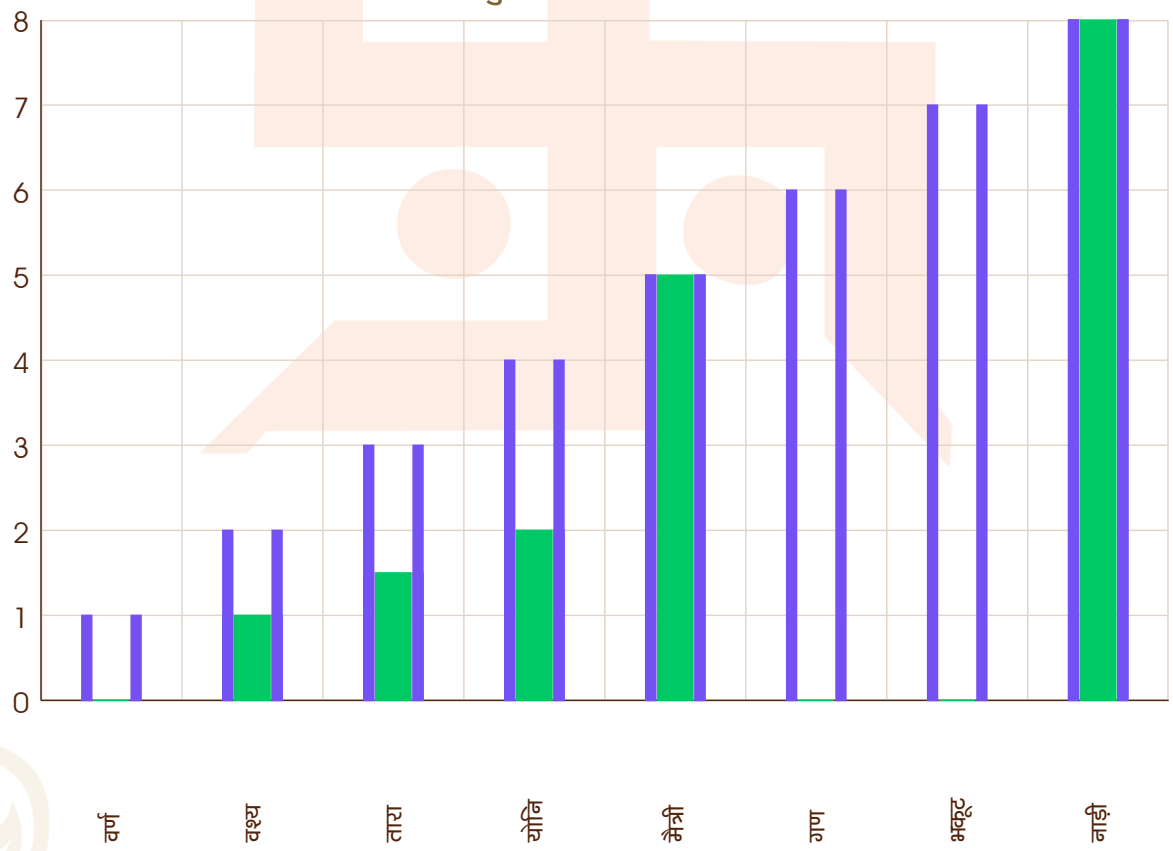

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

VISHAL का वर्ग मृग है तथा Ms. Choti का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार VISHAL और Ms. Choti का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

VISHAL मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Ms. Choti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Choti कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि VISHAL कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु VISHAL कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

VISHAL तथा Ms. Choti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

MAA MATANGI FALIT JYOTISH KENDRA
Gayatri nagar near G L A College daltonganj
Palamu jharkhand (822102)
Call 6201143328, what's aap 7061110945
pt.raviranjanprabhu108@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

VISHAL का वर्ण क्षत्रिय तथा Ms. Choti का वर्ण ब्राह्मण है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण दोनों के बीच सदैव अहं का टकराव होता रहेगा। साथ ही Ms. Choti हमेशा श्रेष्ठता मनोग्रंथि से ग्रस्त रहेंगी तथा स्वयं को अपने पति से हमेशा अधिक बुद्धिमान एवं चतुर समझेंगी। श्रेष्ठता की यही भावना VISHAL एवं बच्चों के विकास में बाधक साबित हो सकती है।

वश्य

VISHAL का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms. Choti का वश्य कीट है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। चतुष्पद एवं कीट दो अलग प्रकार के प्राणी होते हैं किंतु प्रकृति में इनका सह-अस्तित्व होता है। इस प्रकार दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद भिन्न हो सकते हैं फिर भी ये एक-दूसरे को नुकसान नहीं पहुंचायेंगे। इसीलिए VISHAL चतुष्पद एवं Ms. Choti कीट होने पर विवाह को स्वीकृति प्रदान की जाती है यद्यपि कि दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार, पसंद/नापसंद में अंतर रहेगा। फिर भी ये दोनों एक-दूसरे के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध रहेंगे तथा अपने-अपने दायित्वों एवं कर्त्तव्यों का निर्वहन करते रहेंगे।

तारा

VISHAL की तारा विपत तथा Ms. Choti की तारा मित्र है। VISHAL की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। VISHAL एवं VISHAL के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Ms. Choti हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Ms. Choti को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

योनि

VISHAL की योनि गज है तथा Ms. Choti की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से

कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में VISHAL एवं Ms. Choti दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि VISHAL एवं Ms. Choti दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

VISHAL का गण मनुष्य तथा Ms. Choti का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms. Choti का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण VISHAL एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

VISHAL से Ms. Choti की राशि अष्टम भाव में स्थित है तथा Ms. Choti से VISHAL की राशि षष्ठम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। इस मिलान को भकूट मिलान में स्वीकृति नहीं प्रदान की जाती है तथा 0 अंक/गुण प्रदान किए जाते हैं। VISHAL एवं Ms. Choti दोनों आक्रामक, गुस्सैल एवं झगड़ालू स्वभव के होंगे। VISHAL शारीरिक रूप से कमजोर हो सकते हैं, उनके अनेक शत्रु हो सकते हैं तथा अपने व्यवसाय में भी उन्हें जूझना पड़ सकता है। दूसरी ओर Ms. Choti बिल्कुल लापरवाह, कोई भी कर्त्तव्य एवं जिम्मेदारी नहीं निभाने वाली, हरदम स्वयं के स्वार्थपूर्ति में ही खोई रहने वाली होंगी। उन्हें किसी भी प्रकार का वैवाहिक सुख प्राप्त नहीं हो पायेगा तथा

उनके पति की मृत्यु की भी संभावना बनी रहेगी।

नाड़ी

VISHAL की नाड़ी मध्य है तथा Ms. Choti की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। आद्य एवं मध्य नाड़ी का समन्वय अति उत्तम होता है क्योंकि यह जीवनी शक्ति को संतुलित करता है। तीनों जीवनी शक्तियों वात, पित्त एवं कफ का संतुलन जीवन के अस्तित्व के लिए आवश्यक है। अतः आपकी संतान उत्तम स्वास्थ्य, जनन क्षमता एवं स्वस्थ तथा बुद्धिमान संतान होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

VISHAL की जन्म राशि अग्नितत्व युक्त मेष राशि है तथा Ms. Choti की जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। इसके प्रभाव से आप दोनों के जीवन में विचार धाराओं में अंतर रहेगा। इन विभिन्नताओं के कारण आप वैचारिक रूप से एक दूसरे को समझने में असमर्थ रहेंगे अतः संबधं में गहनता की न्यूनता रहेगी। अतः आपसी सामंजस्य से ही मधुरता की संभावना बनेगी।

VISHAL और Ms. Choti दोनों की राशि का स्वामी मंगल है। अतः वैचारिक मतभेदों को छोड़कर इनमें परस्पर मित्रता स्नेह एवं सहानुभूति का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति ईमानदार तथा कर्तव्य परायण रहेंगे तथा सुख दुख में एक दूसरे की सेवा तथा सहायता करना अपना कर्तव्य समझेंगे। इस प्रकार एक दूसरे के प्रति आत्म समर्पण की भावना से आपका दाम्पत्य जीवन सुखी हो सकता है।

VISHAL की जन्म राशि Ms. Choti की राशि से षष्ठ तथा Ms. Choti की राशि VISHAL से अष्टम पड़ती है अतः यह षडाष्टक भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से VISHAL अपने कार्य कलापों में ईमानदार तथा शीघ्रता दिखाने वाले होंगे। यद्यपि Ms. Choti में भी ईमानदारी का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु प्रतिरोध या बदले की भावना हो सकती है लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। तथापि अच्छे संबधों के लिए अनावश्यक वाद विवादों से दूर रहना चाहिए।

VISHAL का वश्य चतुष्पाद तथा Ms. Choti का वश्य कीट है। इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक रूप से एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में सक्षम रहेंगे। लेकिन काम सम्बंधो में VISHAL की व्यग्रता तथा Ms. Choti का स्वार्थी भाव यदा कदा समस्या उत्पन कर सकता है। अतः ऐसे भावों की उपेक्षा करनी चाहिए ।

VISHAL का वर्ण क्षत्रिय है। अतः वह साहसी परिश्रमी एवं शूरवीर के भाव से युक्त रहेंगे। Ms. Choti का ब्राहमण वर्ण होने के कारण धार्मिक एवं शैक्षणिक क्रियाकलपो में विशेष रूचि रहेगी तथा विचारों में भी सात्विकता का प्रभाव रहेगा।

धन

VISHAL और Ms. Choti दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

VISHAL की नाड़ी मध्य तथा Ms. Choti की नाड़ी आद्य है। अतः दोनों की अलग अलग नाड़ी होने के कारण इनके ऊपर नाड़ी दोष का कोई दुष्प्रभाव नहीं रहेगा लेकिन मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मूत्र रोग संबंधी परेशानी भी रहेगी। साथ ही VISHAL भी हृदय संबधी रोग से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा काम क्रियाओं में भी शिथिलता की अनुभूति करेंगे फलतः दाम्पत्य जीवन में सुख की अल्पता आएगी। Ms. Choti भी यदा कदा काम संबंधों में उदासीनता का परिचय देंगी। अतः उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता करने के लिए VISHAL और Ms. Choti को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के व्रत रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से VISHAL और Ms. Choti का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms. Choti के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्य मान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms. Choti को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विध्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

VISHAL और Ms. Choti बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः VISHAL और Ms. Choti का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. Choti के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Ms. Choti यत्नपूर्वक

सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Ms. Choti को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Ms. Choti को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

VISHAL तथा उनकी सास के आपसी संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में VISHAL के संबध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह VISHAL को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही VISHAL के संबध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण VISHAL के प्रति अनुकूल ही रहेगा।